

6. उत्तर भारत में प्रचलित संवत् का नाम, विक्रम संवत् 7. साठ संवत्सरो में से चौदहवां संबत्सर।

विक्रमण पुं. (तत्.) 1. पैर रखना, पग चलना 2. एक के बाद एक कदम रखना।

विक्रम संवत् पुं. (तत्.) 1. राजा विक्रमादित्य के नाम से चलाया हुआ भारतीय कालगणना से युक्त सन् जैसे- 2060 विक्रम संवत्।

विक्रमाजीत पुं. (तत्.) दे. विक्रमादित्य।

विक्रमादित्य पुं. (तत्.) प्राचीन काल में उज्जयिनी का एक प्रसिद्ध न्यायी, विद्वान्, वीर राजा जिसने अवंती के शकों को पराजित कर भगाया था तथा समस्त उत्तरभारत इनके अधिकार में था, धन्वंतरि, कालिदास, वराहमिहिर, वररुचि आदि इसके दरबार के नवरत्न थे, इन्हें ही विक्रम संवत् का प्रवर्तक माना जाता है।

विक्रमाब्द पुं. (तत्.) दे. विक्रम संवत्।

विक्रमार्क पुं. (तत्.) उज्जयिनी का प्रतापी वीर सम्राट, विक्रमादित्य। दे. विक्रमादित्य।

विक्रमी वि. (तत्.) 1. जो विक्रम संवत् से संबंधित हो 2. विक्रमादित्य का 3. पराक्रमीय 4. पुं. विक्रम संवत् 1. बल, पराक्रमवाला, वीर 2. पुं. 1. विष्णु 2. शूर 3. शेर।

विक्रमीय वि. (तत्.) 1. विक्रमादित्य संबंधी 2. जो विक्रम/पराक्रम से संबंधित हो। पराक्रमीय।

विक्रय पुं. (तत्.) किसी वस्तु को बेचना, बिक्री। विलो. क्रय।

विक्रय कर पुं. (तत्.) 1. सरकार द्वारा निर्धारित बिक्रीकर 2. सरकारी बिक्रीकर।

विक्रयकला स्त्री. (तत्.) माल को बेचने की विशेष कुशलता।

विक्रयण पुं. (तत्.) 1. बेचने की क्रिया या भाव 2. बेचने का काम, बिक्री।

विक्रय पत्र पुं. (तत्.) 1. वह पत्र, कागज जिसमें बिकने वाली चीज का नाम, दाम और ग्राहक तथा विक्रेता का विवरण होता है, नगदी चिट्ठा, कैश मेमो 2. वस्तु का बिक्री सूचक प्रमाण पत्र।

विक्रयमूल्य पुं. (तत्.) किसी वस्तु का पहले से निर्धारित किया गया बिक्री मूल्य, बेचने की कीमत।

विक्रय विलेख पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु के बेचने-खरीदने से संबंधित स्टॉप पेपर में तैयार किया गया विशेष प्रपत्र या लेख या विवरण 2. बैनामा।

विक्रयी पुं. (तत्.) 1. विक्रेता 2. बेचने वाला।

विक्रांत वि. (तत्.) 1. जो विशेष पराक्रम से युक्त हो, पराक्रमी 2. प्रतापी 3. साहसी, वीर पुं. 1. योद्धा 2. सिंह 3. पराक्रम 4. वैक्रांत मणि 5. चलने का ढंग 6. एक तरह का मद्य।

विक्रांति स्त्री. (तत्.) 1. एक विशेष प्रकार की गति 2. शक्ति, वीरता 3. बल, विक्रम 4. साहस 5. घोड़े की सरपट चाल।

विक्रिया स्त्री. (तत्.) 1. किसी प्रकार की खराबी, विकार 2. परिवर्तन 3. उत्तेजना 4. क्रोध 5. व्याकुलता, घबराहट 6. कर्तव्य का पालन न होना 7. रोमांच 8. चावल पकाना 9. अस्वस्थता।

विक्रीत वि. (तत्.) 1. जो बेचा हुआ हो 2. बिका हुआ।

विक्रेता पुं. (तत्.) वस्तु या माल को बेचने वाला जैसे- थोक विक्रेता, फुटकर विक्रेता।

विक्रेय वि. (तत्.) 1. जिसे बेचा जाना हो, बिकाऊ 2. जो बेचे जाने के योग्य हो।

विक्रोश पुं. (तत्.) 1. विपत्ति में पड़े किसी व्यक्ति का अपनी सहायता के लिए जोर से चिल्लाना, गुहार 2. गाली।

विक्रोष्टा पुं. (तत्.) 1. गोहार करने वाला, गुहार लगाने वाला 2. गाली देने वाला।

विकलांत वि. (तत्.) 1. परिश्रम के कारण थका हुआ, श्रान्त 2. हतोत्साह।

विक्लिन्न वि. (तत्.) 1. जो पूरी तरह भीगा हुआ हो, अत्यधिक आर्द्र 2. सड़ा गला, जीर्ण 3. पकाकर मुलायम किया हुआ।

विक्षत वि. (तत्.) 1. जो बहुत ज्यादा घायल हो, जख्मी, आहत 2. चोट खाया हुआ पुं. घाव, जख्म जैसे- दुर्घटना में क्षत-विक्षत शरीर।